लघु-मध्यम उद्यमियों को बांटे गए 51 हजार करोड़ के ऋण

सीएम बोले- छोटे उद्यमियों को भरपूर लोन दें बैंक, छोटी पूंजी नहीं डूबती

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को सूक्ष्म, लघु व मध्यम (एमएसएमई) उद्यमियों को 51 हजार करोड़ रुपये के ऋण बांटे। इस समारोह में उन्होंने कहा कि यूपी ही ओडीओपी, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना और प्लेज पार्क योजना देने वाला पहला राज्य है। आज यहां 96 लाख एमएसएमई इकाइयां हैं। उन्होंने बैंकर्स से कहा कि छोटी पूंजी वालों को भरपूर लोन दें, क्योंकि छोटी पूंजी डूबती नहीं है। इससे उनका बिजनेस बढ़ेगा और छोटी पूंजी वालों में बैंकर्स के प्रति विश्वास भी।

इस मौके उन्होंने कहा कि बैंकर्स और सरकार की सोच का नतीजा है कि प्रदेश में पहले सीडी रेश्यो (ऋण-जमा अनुपात) 44 प्रतिशत था, वह आज 57 फीसदी हो गया है। इसे अगले वित्त वर्ष में 65 फीसदी तक ले जाने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने मथुरा, अमरोहा, सीतापुर व मेरठ के प्लेज पार्कों के निर्माण की पहली किस्त जारी कर दी। सहारनपुर, मुरादाबाद व संभल में ओडीओपी के तीन कॉमन फैसिलिटी सेंटर का वर्चुअल लोकार्पण किया। ओडीओपी व विश्वकर्मा श्रम सम्मान के एक दर्जन लाभार्थियों को चेक व टूल किट वितरित किए। एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने बताया कि 51 हजार करोड़ लोन का लाभ पांच लाख इकाइयों को मिलेगा। निर्भया योजना के तहत 75000 महिलाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्हें ड्राइविंग सिखाकर 25% सब्सिडी के साथ ई-रिक्शा दिए जाएंगे। तीन महिलाओं को ई-रिक्शा देकर इसकी शुरुआत भी हो गई।

लखनऊ में एमएसएमई उद्यमी को ऋण का चेक सौंपते सीएम योगी। अमर उजाला

6.5 लाख करोड़ ऋण बांटने का कीर्तिमान... पेज-3

1.10 करोड़ युवाओं को मिलेगी नौकरी

प्रदेश में कानून-व्यवस्था बेहतर हुई है। यही वजह है कि 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इससे 1.10 करोड़ से अधिक युवाओं को नौकरी मिलेगी। सरकार ने यूपी को एक्सपोर्ट प्रदेश के रूप में विकसित किया है। इससे निर्यात तीन गुना बढ़ा है। - योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री

डाक टिकट से होगी जिले के उत्पादों की ब्रांडिंग

सीएम ने कहा कि ओडीओपी ने हर जिले को नई पहचान दी है। यह उत्पाद केवल कॉफी टेबल बुक तक सीमित न रहें। हर जिले के उत्पाद का डाक टिकट भी जारी होना चाहिए। यह हमारे उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाएगा। हर जिले के उत्पाद की ब्रांडिंग भी होनी चाहिए ताकि अच्छे उत्पादन की जानकारी मिले। उसे पैकेजिंग और टेक्नोलॉजी से जोड़कर विश्व फलक पर पहचान सरकार दिलाएगी। कहा कि प्रदेश के एमएसएमई सेक्टर में चीन को फेल करने की क्षमता है।